

# डीआरडीओ समाचार



डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

<https://www.drdo.gov.in/samachar>

ISSN: 0971-4405

नवम्बर 2024 खण्ड 36 अंक 11

## डैयर टू ड्रीम 5.0: रक्षा प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने के लिए नवोन्मेषकों का आह्वान

LAUNCH OF

# DARE TO DREAM 5.0.

BY

## SHRI RAJNATH SINGH

HON'BLE RAKSHA MANTRI



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव

सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण

संपादक: दीप्ति अरोरा

सहायक संपादक: धर्म वीर

अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष

नवम्बर 2024 खण्ड 36 अंक 11

## हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चंदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैक्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्रीमती साइमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोश कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय डॉ नवीन कुमार सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	श्री सुनील भण्डारी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



## इस अंक में

मुख्य लेख	4
नवोन्मेष	7
घटनाक्रम	9
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	16
राजभाषा क्रियाकलाप	26
कार्मिक समाचार	30
खेलकूद गतिविधियाँ	31
सामाजिक क्रियाकलाप	31
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	32



वर्तमान अंक, *DRDO Newsletter*, Vol 44, Issue 11, November 2024, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:  
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in  
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फ़ैक्स: 011-23819151



# डेयर टू ड्रीम 5.0: रक्षा प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने के लिए नवोन्मेषकों का आह्वान

“सरकार रक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने और भारत को एक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने में निजी क्षेत्र को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी”, रक्षा मंत्री

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से रक्षा क्षेत्र में ‘भागीदारी’ से आगे बढ़कर ‘अग्रणी भूमिका’ निभाने का आह्वान किया, तथा सरकार द्वारा भारत को एक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र और दुनिया के सबसे मजबूत देशों में से एक बनाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। वह 18 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में डीआरडीओ भवन में आयोजित रक्षा प्रौद्योगिकी त्वरण पर डीआरडीओ-उद्योग कार्यशाला, वारल (Twaral), के दौरान वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के नेताओं, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, और युवा उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे।

हाल के दिनों में रक्षा क्षेत्र के परिवर्तन पर अंतर्दृष्टि साझा करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि आज, प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक युद्ध को अपरंपरागत युद्ध में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि “ड्रोन, साइबर युद्ध, जैव हथियार, तथा अंतरिक्ष रक्षा जैसे आधुनिक युद्ध में नए आयाम जुड़े हैं। इस परिवर्तनकारी चरण में, रक्षा में अनुसंधान एवं विकास निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाएगा। इस प्रयास में हमारे वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, और युवा उद्यमियों को एक साथ काम करते हुए देखना उत्साहजनक है। निजी क्षेत्र के लिए अग्रणी भूमिका निभाने का समय आ गया है, क्योंकि इसमें तेजी से बदलावों को अपनाने और नए नवाचार पैदा करने की क्षमता है।”

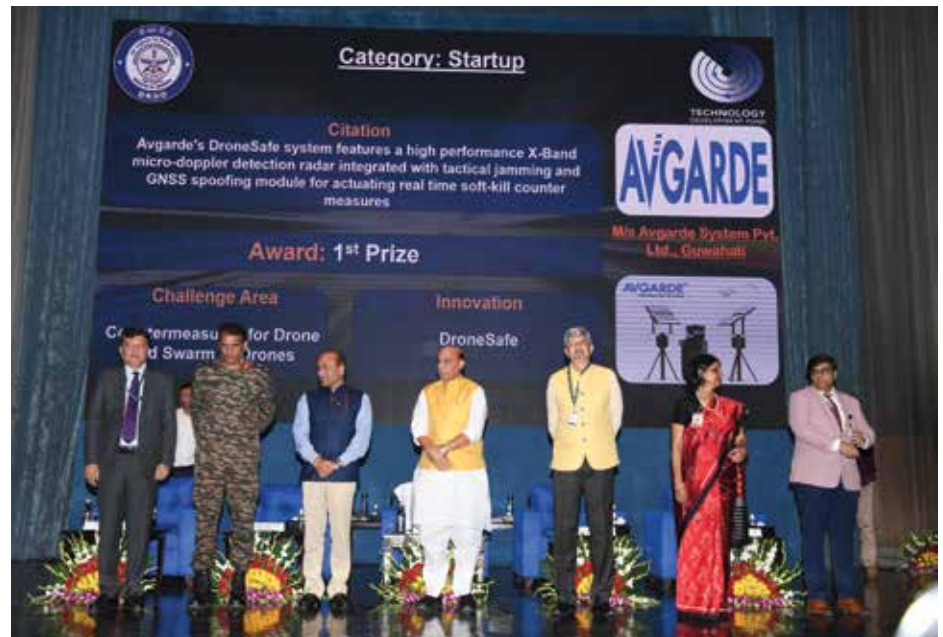
श्री राजनाथ सिंह ने दुनिया को

अभी तक अज्ञात अपरंपरागत विचारों को अपनाने को अपरंपरागत युद्ध में प्रगति का एकमात्र तरीका बताया। चुनौती को स्वीकार करते हुए, उन्होंने घोषणा की कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस प्रयास में युवाओं, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, और एमएसएमई को हर आवश्यक सहायता प्रदान करने में लगी रहेगी।

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र को अधिक नवीन और प्रौद्योगिकी-उन्मुख बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने, डीआरडीओ द्वारा अनुसंधान एवं विकास के वातावरण को मजबूत करने और वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि “तकनीकी विकास कोष (टीडीएफ) योजना, योग्य

उद्योगों को कुल परियोजना लागत का 90% तक अनुदान सहायता प्रदान कर रही है,”। कुल समर्थन 50 करोड़ रुपये तक का है, जो किसी भी एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने के लिए एक अच्छी राशि है। छह साल पहले इसकी शुरुआत के बाद से, इसने 79 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से 18 में सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी विकसित की गई है।

इस आयोजन के हिस्से के रूप में, श्री राजनाथ सिंह ने ‘डेयर टू ड्रीम 5.0’ लॉन्च किया, जो अगली पीढ़ी के नवोन्मेषकों और स्टार्ट-अप्स को रक्षा अनुप्रयोगों के लिए परिवर्तनकारी विचारों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है। डीआरडीओ की



नवाचार प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण का उद्देश्य भारत के लिए अत्याधुनिक समाधान तैयार करना है ताकि रक्षा प्रौद्योगिकियों में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

रक्षा मंत्री ने 'डेयर टू ड्रीम 4.0' के विजेताओं को भी सम्मानित किया, जिसमें ड्रोन स्वॉर्म के लिए प्रतिवाद उपायों, गोलाबारी का पता लगाने के लिए ध्वनिक प्रणालियों, निर्देशित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, संज्ञानात्मक अकॉउस्टिक उपकरणों, लक्ष्य खोजने और निकटता संवेदन, फ्री-स्पेस लेजर संचार प्रणाली, तथा बहु-भूमि बहु-उपयोगिता रोबोट, आदि में विघटनकारी और नवीन कार्यों के लिए मान्यता दी गई।

श्री राजनाथ सिंह ने इन चुनौतियों को रक्षा क्षेत्र के भविष्य की रक्षा के लिए देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा "हमारे बहादुर सैनिकों की तरह, वैज्ञानिक, उद्योगपति, शिक्षाविद, स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, और उद्यमी भी देश के योद्धा हैं, जो हर सौंपे गए कार्य के लिए तैयार हैं।

रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में वृद्धिशील और विघटनकारी दोनों तरह की प्रौद्योगिकियों में प्रगति हासिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'डेयर टू ड्रीम' जैसी पहलों के माध्यम से प्राप्त चुनौतियों का समाधान दो प्रकार की प्रौद्योगिकियों के बीच महत्वपूर्ण अंतर को पाटता है। उन्होंने वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप, और युवा उद्यमियों से रचनात्मक रूप से सोचने और नवीनतम नवाचारों को विकसित करने का आग्रह किया, ताकि चुनौतियों को स्वीकार करना और उनसे पार पाना

उनकी आदत बन जाए। श्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से दुनिया भर में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों की अभूतपूर्व गति के अनुरूप आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे कार्यान्वयन के बाद प्रौद्योगिकियों के अप्रचलन को रोकने के लिए समय पर उनका आकलन करने का आग्रह किया। उन्होंने टीडीएफ के तहत अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने वाली परियोजनाओं के निर्माण और योजना के भीतर



प्रौद्योगिकियों के दोहराव को रोकने के लिए एक व्यापक स्कैनिंग सिस्टम के निर्माण की भी वकालत की।

#### डीप-टेक चुनौतियां:

देश की रक्षा संरचना के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रमुख प्रगति को प्रेरित

करने के लिए विघटनकारी, उभरती, सक्षम, और अग्रणी प्रौद्योगिकियों (डीप-टेक) पर कई चुनौतियां भी शुरू की गईं। डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित करने से भारत को रक्षा नवाचार के मामले में अग्रणी बने रहने के लिए ब्रेकथ्रू प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उनका उपयोग करने की आवश्यकता पर बल मिलेगा। मुख्य चुनौतियाँ हैं:

- कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर्स
- यार्ड क्राफ्ट (भारतीय नौसेना) के लिए स्वदेशी थ्रस्टर्स का विकास।
- SiC एकल क्रिस्टल के थोक विकास के लिए उच्च-शुद्धता वाले सिलिकॉन कार्बाइड स्रोत पाउडर का विकास।
- HPM काउंटर मेजर्स और प्रोटेक्शन के लिए डीप-टेक।
- एयरो गैस टर्बाइन इंजन स्वास्थ्य और उपयोग निगरानी के लिए डिजिटल ट्विन फ्रेमवर्क का विकास।

#### अंतिम उपयोगकर्ताओं को सौंपी गई तकनीकियाँ

श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में, डीआरडीओ और सशस्त्र बलों सहित अन्य उपयोगकर्ताओं को टीडीएफ योजना के तहत विकसित कई अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकें प्राप्त हुईं। डीआरडीओ के साथ स्टार्टअप्स और एमएसएमई द्वारा बनाए गए ये नवाचार, देश की आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाएंगे।

प्रमुख प्रौद्योगिकियाँ हैं:

- केयर, बंगलुरु, के अनुसार, न्यूसपेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड एक बंद या इनडोर वातावरण में खोज और रिपोर्ट मिशन



के लिए पहले उत्तरदाता के रूप में एक स्वायत्त ड्रोन का उपयोग कर रहा है।

- कॉम्बैट रोबोटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा केयर, बंगलुरु, को मानव रहित भूमि, समुद्री (समुद्र की सतह और सतह के नीचे) तथा हवाई वाहनों के लिए सिम्युलेटर।
- डेटा असेसमेंट एक्टिव लर्निंग और विजुअल डेटा के लिए विश्वसनीयता केयर, डीआरडीओ, और चिस्टैट्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जीटीआरई, डीआरडीओ को एयरो गैस टर्बाइन इंजन हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम।
- भारतीय नौसेना के लिए वाल्डेल एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नौसेना के जहाजों के लिए वाटर टाइट/गैस टाइट और फायर क्लास ईएमआई/ईएमसी अनुरूप दरवाजों और हैच का डिजाइन और विकास।
- तेजस एयरोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड मुंबई, द्वारा एडीए, बंगलुरु को विमान अनुप्रयोग के लिए ईंधन प्रणाली तापमान ट्रांसड्यूसर।

### त्वारल (Twaral)

रक्षा प्रौद्योगिकी त्वरण पर डीआरडीओ उद्योग कार्यशाला महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने और रणनीतियों का पता लगाने के लिए नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों को एक साथ लाया।

कार्यशाला ने अनुसंधान प्रयासों और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया। भविष्य के नवाचारों की नींव रखते हुए, कार्यशाला ने राष्ट्रीय सुरक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने में डीपटेक (आरएंडडी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

टीडीएफ के लिए संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई के लिए डीआरडीओ के साथ सहयोग करने की प्रक्रिया को सरल बनाना है, भी जारी की गई। अद्यतन प्रक्रियाओं का उद्देश्य नवप्रवर्तकों के लिए अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, जिससे राष्ट्रीय रक्षा परियोजनाओं में योगदान देने के अवसरों तक आसान पहुंच सुनिश्चित होती है। दो गहन पैनल चर्चाएँ भी आयोजित

की गईं। पहली चर्चा ने महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक सहयोग पर, अंतर्राष्ट्रीय आरएंडडी साझेदारी और सैन्य प्रौद्योगिकी में बौद्धिक संपदा के आदान-प्रदान की क्षमता का पता लगाया।

दूसरी चर्चा ने रक्षा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के विषय को संबोधित किया, एक स्थायी और मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए नवाचार और मजबूत आर एंड डी की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 'डेयर टू ड्रीम 4.0' के विजेताओं की प्रशंसा की और एक मजबूत और अधिक आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में घरेलू प्रतिभा को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि विजेताओं का योगदान भारत के बढ़ते नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमाण है।

इस अवसर पर सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमारय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यूय और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।



## डीआरडीओ ने चौथी पीढ़ी के वैरी शार्ट-रेंज एयर डिफेन्स सिस्टम (VSHORADS) का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 3-4 अक्टूबर 2024 के दौरान राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में चौथी पीढ़ी की, तकनीकी रूप से उन्नत लघुकृत वैरी शार्ट-रेंज एयर डिफेन्स सिस्टम (VSHORADS) के तीन उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किए। ये परीक्षण उच्च गति वाले लक्ष्यों के विरुद्ध किए गए, जिसमें अधिकतम सीमा और अधिकतम ऊंचाई अवरोधन के महत्वपूर्ण मापदंडों का प्रदर्शन किया गया। इन विकास परीक्षणों ने विभिन्न लक्ष्य संलग्न परिदृश्यों में हिट-टू-किल क्षमता की पुनरावृत्ति को प्रदर्शित किया, जिसमें निकट आना, पीछे हटना, और क्रॉसिंग मोड शामिल हैं।

VSHORADS मिसाइलों का विकास पूरा हो चुका है, और दो उत्पादन एजेंसियों को विकास/उत्पादन भागीदार (DcPP) मोड में लगाया गया है। इन परीक्षणों में, DcPPs के माध्यम से निर्मित मिसाइलों का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है, जिससे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप कम समय में प्रारंभिक उपयोगकर्ता परीक्षणों और उत्पादन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), ने अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और DcPPs के सहयोग से, VSHORADS नामक एक मानव पोर्टेबल वायु रक्षा

प्रणाली को स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है। तीनों सेनाएँ शुरू से ही इस परियोजना से जुड़ी रही हैं और विकासात्मक परीक्षणों में भाग लिया है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल विकास परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों, और शामिल उद्योगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों से लैस यह नई मिसाइल सशस्त्र बलों को हवाई खतरों के खिलाफ एक और तकनीकी बढ़त देगी।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने भी सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ टीम, उद्योग भागीदारों, और उपयोगकर्ताओं को बधाई दी।



## मनोवैज्ञानिक जांच उपकरण (PsYSHOT) को इन्फैंट्री स्कूल, महू को सौंपा गया

डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 3 अक्टूबर 2024 को लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी, एवीएसएम, एसएम, कमांडेंट, इन्फैंट्री स्कूल, महू को मनोवैज्ञानिक जांच उपकरण (PsYSHOT) सौंपा।

PsYSHOT इन्फैंट्री में विशेष भूमिकाओं के लिए सही व्यक्ति की पहचान करने में सहायता करेगा। इसे इन्फैंट्री स्कूल, महू और आर्मी ट्रेनिंग कमांड (ARTRAC) के सहयोग से विषय-वस्तु विशेषज्ञों, क्षेत्र परीक्षणों और ऑन-साइट मूल्यांकन के माध्यम



से एक सहयोगात्मक प्रक्रिया के साथ वैज्ञानिक रूप से मान्य किया गया है।

## परियोजना SHYEN S-22, ईएसएम प्रणाली का प्रारम्भ

प्रोजेक्ट SHYEN S-22 के हिस्से के रूप में, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने भारतीय नौसेना के डोर्नियर प्लेटफॉर्म के मध्य-जीवन उन्नयन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उन्नत, स्वदेशी ईएसएम प्रणाली विकसित की है।

यह प्रणाली डोर्नियर जैसे छोटे प्लेटफॉर्म पर सफल स्थापना सुनिश्चित करने के साथ-साथ उच्च सटीकता आवश्यकताओं को भी पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हवाई योग्यता मानकों को पूरा करने वाले ईएसएम सिस्टम को साकार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, और इस परियोजना ने बहुत ही कम समय में विकास, योग्यता, एकीकरण, और परीक्षण के हवाई योग्यता जीवन चक्र को पूरा कर लिया है।

27 सितंबर, 2024 को, उपयोगकर्ता प्रयोगशालाओं के मूल्यांकन परीक्षण के सफल समापन के बाद ईएसएम सिस्टम

को स्थापना, विकास, और उपयोगकर्ता उड़ान परीक्षणों के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ।





## वाराणसी में शाइनिंग उत्तर प्रदेश-2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

27-29 सितंबर 2024 के दौरान वाराणसी, उत्तर प्रदेश, में अचीवर्स फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भर भारत पर मेगा प्रदर्शनी 'द्वितीय शाइनिंग उत्तर प्रदेश-2024' का आयोजन किया गया। रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, इस कार्यक्रम में डीआरडीओ प्रदर्शनी के आयोजन के लिए नोडल प्रयोगशाला थी। प्रदर्शनी के दौरान डीआरडीओ मंडप में डीएमएसआरडीई, डीआरडीई, डीटीटीसी, एडीआरडीई, एसएसपीएल, और एआरएमआरईबी द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। डॉ दया शंकर मिश्रा, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभाग), आयुष विभाग, खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्य अतिथि थे और

उन्होंने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के तीन दिनों के दौरान, डीआरडीओ के स्टॉल ने उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों, और अनुसंधान एवं विकास संगठनों से बड़ी संख्या में

आगंतुकों को आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ पैवेलियन को 'सर्वश्रेष्ठ स्टाल' का पुरस्कार मिला। डॉ गोबरधन लाल, वैज्ञानिक 'एफ' इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी थे।



## लैंड फोर्स 2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

डीआरडीओ के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री ए एस कुमारन, वैज्ञानिक 'जी', (कैब्स), के नेतृत्व में चार सदस्यों, श्री गम्पाला श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'एफ' (डीआरडीएल), श्री राम कृष्ण वनारसी, वैज्ञानिक 'एफ' (एनएसटीएल), श्री सतीश कुमार कन्नन, वैज्ञानिक 'एफ' (सीवीआरडीई), और श्री श्याम सुंदर मीना, वैज्ञानिक 'ई' (डीपीआई, डीआरडीओ मुख्यालय) के साथ मिलकर 11-13 सितंबर 2024 के दौरान मेलबॉर्न, ऑस्ट्रेलिया, में आयोजित द्विवार्षिक कार्यक्रम और ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय रक्षा उद्योग प्रदर्शनी 'लैंड फोर्स 2024' में डीआरडीओ के उत्पादों के प्रदर्शन में भाग लिया। टीम

ने भारतीय मंडप के हिस्से के रूप में डीआरडीओ की प्रमुख तकनीकों का प्रदर्शन किया। माननीय रक्षा राज्य मंत्री

श्री संजय सेठ ने प्रदर्शनी में भारतीय मंडप और डीआरडीओ के स्टॉल का उद्घाटन किया।



## डीआरडीओ और आईआईटी दिल्ली ने हल्के वजन वाली बुलेटप्रूफ जैकेट - ABHED विकसित की

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर हल्के वजन वाली बुलेटप्रूफ जैकेट विकसित की है, जिसका नाम है एडवांस्ड बैलिस्टिक्स फॉर हाई एनर्जी डिफेंस (ABHED)। आईआईटी, दिल्ली में डीआरडीओ इंडस्ट्री एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (DIA-CoE) ने जैकेट विकसित किया है।

इन जैकेटों को पॉलिमर और स्वदेशी बोरॉन कार्बाइड सिरैमिक सामग्री से बनाया गया है। डिजाइन विन्यास उच्च तनाव दरों पर विभिन्न सामग्रियों के लक्षण वर्णन पर आधारित है, डीआरडीओ के सहयोग से उपयुक्त मॉडलिंग और सिमुलेशन किया गया।

जैकेट के आर्मर प्लेट्स ने सभी आवश्यक आर एंड डी परीक्षण पास कर लिए हैं। जैकेट उच्चतम खतरे के स्तर को पूरा करती है और भारतीय सेना की संबंधित जनरल स्टाफ गुणात्मक आवश्यकताओं में निर्धारित अधिकतम वजन सीमा से हल्के हैं। विभिन्न बीआईएस स्तरों के लिए न्यूनतम संभव वजन 8.2 किलो और 9.5 किलो के

साथ, ये मॉड्यूलर-डिजाइन वाले जैकेट सामने और पीछे के आर्मर के साथ 360 डिग्री सुरक्षा प्रदान करते हैं।

चयन-मानदंड मैट्रिक्स ने कुछ भारतीय उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सहायता के लिए चुना है। केंद्र तीन उद्योगों को तकनीक हस्तांतरित करने के लिए तैयार है। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने इस उपलब्धि पर DIA-CoE को बधाई देते हुए कहा कि लाइटवेट बुलेटप्रूफ जैकेट डीआरडीओ, शिक्षाविदों, और उद्योग द्वारा सफल रक्षा अनुसंधान एवं विकास के प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र का उदाहरण है।

DIA-CoE का गठन 2022 में आईआईटी दिल्ली में डीआरडीओ के संयुक्त उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र को संशोधित करके किया गया था ताकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए उद्योग और शिक्षा जगत को शामिल किया जा सके। यह डीआरडीओ वैज्ञानिकों, अकादमिक शोधकर्ताओं और उद्योग भागीदारों को शामिल कर के उन्नत प्रौद्योगिकियों पर विभिन्न परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।



## स्थापना दिवस समारोह

### डेसीडॉक, दिल्ली

4 अक्टूबर 2024 को, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने उत्साहपूर्वक अपना 54वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती यू जेया संथी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) थीं। उपस्थित लोगों में प्रमुख वैज्ञानिक, डीआरडीओ मुख्यालय और मेटकॉफ हाउस तथा

तिमारपुर कॉम्प्लेक्स स्थित सहयोगी प्रयोगशालाओं के निदेशक, साथ ही दिल्ली स्थित स्थापनाओं और डेसीडॉक के कर्मचारी शामिल थे।

अपने स्वागत संबोधन में, डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने पिछले वर्ष के दौरान संगठन की अनेक पहलों में प्राप्त सफलताओं को रेखांकित किया। उन्होंने डेसीडॉक की हालिया

उपलब्धियों और आगामी प्रयासों के बारे में विशिष्ट श्रोताओं को सूचित किया तथा इस बात पर जोर दिया कि संगठन अपने अथक प्रयासों और आविष्कारशील दृष्टिकोण के माध्यम से डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय की सेवा करता रहेगा।

विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने पिछले वर्षों में डेसीडॉक के योगदान को मान्यता दी और डेसीडॉक



की गतिविधियों के व्यापक दायरे के बारे में बताया। उनकी टिप्पणियों ने डीआरडीओ केंद्रीय पुस्तकालय के रूप में डेसीडॉक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन की अनेक पहलों और प्रदत्त सेवाओं के लिए संगठन की सराहना भी की।

अपने वीडियो संदेश में, डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने भी श्रोताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने प्रकाशन, इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, डिजिटल लाइब्रेरी, और नेटवर्क सेवाओं के माध्यम से डीआरडीओ को दिए गए उत्कृष्ट समर्थन के लिए डेसीडॉक की सराहना की।

विभिन्न प्रकाशनों के नवीनतम अंकों के अलावा, गणमान्य व्यक्तियों ने कई पुस्तकों तथा डॉ वीजे सुंदरम एवं श्री शारदा दुबे द्वारा लिखित एक डीआरडीओ मोनोग्राफ का विमोचन किया, जिसका शीर्षक था "हिमालयाज टू हैदराबाद: ए जर्नी फ्रॉम बॉर्डर रोड्स टू मिसाइल्स, माइक्रोड्रॉन्स एंड साइब्रोग्स"। डीआरडीओ की प्रमुख उपलब्धियों और डीआरडीओ



की प्रौद्योगिकी उपलब्धियां पर भी पुस्तकें जारी की गयीं। विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) द्वारा पूरे वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा बैच वितरित किए गए। डीआरडीओ को 25 वर्ष की समर्पित सेवा देने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा प्रतीक के रूप



में स्मृति चिन्ह दिए गए। इस अवसर पर डेसीडॉक ने डीआरडीओ के कई प्रकाशन प्रदर्शित किए। मुख्य अतिथि सहित गणमान्य व्यक्तियों ने डीआरडीओ की ओर से डेसीडॉक द्वारा प्रस्तुत कई प्रकाशनों का अवलोकन करने के लिए प्रदर्शन क्षेत्र का दौरा किया। डॉ यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'जी' ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

## डीआईपीआर, दिल्ली

गौरवशाली अवसर को चिह्नित करते हुए, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 29 अगस्त, 2024 को अपना 76वां स्थापना दिवस मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) थे। इस कार्यक्रम में डॉ सुधीर चांदना, निदेशक, इनमास; डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास; महानिदेशक (एलएस) कार्यालय के निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सेवा अधिकारी, पूर्व वैज्ञानिक, एवं अन्य





विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया, प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और चयन, प्रशिक्षण, प्लेसमेंट, विशेष भूमिकाओं के लिए स्क्रीनिंग तथा भारतीय सशस्त्र बलों एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के क्षेत्र में प्रयोगशाला

द्वारा वर्तमान में किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान एवं विकास पहलों का एक स्नैपशॉट प्रदत्त किया।

डॉ यूके सिंह ने डीआईपीआर परिवार को उनके दशकों के अथक प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने और आत्मनिर्भरता को

मजबूत करने के लिए शिक्षा और उद्योग की क्षमता का दोहन करें। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, उन्होंने कर्मना भूमि समूह परीक्षण प्रशिक्षण क्षेत्र का भी उद्घाटन किया। डीआईपीआर समुदाय के बच्चों को बधाई दी गई और कल्याण हितार्थ उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

## भारतीय वायु सेना की 92वीं वर्षगांठ

भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ के महत्वपूर्ण अवसर पर, IAFPMT (ECS क्लस्टर) ने 8 अक्टूबर 24 को युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु, में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में श्री दुर्गा प्रसाद, केंद्र प्रमुख, कैसडिक तथा कैसडिक, एलआरडीई, और भारतीय वायुसेना के दिग्गज पदाधिकारियों ने भाग लिया। एवीएम अंजयन भद्र वीएम, निदेशक, IAFPMT (ECS क्लस्टर), ने सभी को आत्मनिर्भरता और इन-हाउस प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में क्लस्टर की पहलों को सफलतापूर्वक



लागू करने के लिए डीआरडीओ के साथ सहयोग करने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता और संकल्प का आश्वासन दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि,

“डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के सक्रिय समर्थन के कारण विदेशी ओईएम पर हमारी निर्भरता कम हो गई है, और हम वास्तव में आत्मनिर्भर भारत के मार्ग पर चल पड़े हैं।”

## भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आईआरडीई का सम्मान

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने 1 अक्टूबर 2024 को हरिद्वार, उत्तराखंड में 'मानकों के माध्यम से ऊर्जा दक्षता' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में उपकरण यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, को सम्मानित किया। आईआरडीई को यह सम्मान अपने लंबे सहयोग और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के सबब से मिला, जैसा कि इसके ISO 9001:2008,

ISO 9001:2015, तथा ISO 27001:2022 प्रमाणपत्रों से स्पष्ट है। श्री जेपी सिंह, वैज्ञानिक 'जी', प्रबंधन प्रतिनिधि, तथा डॉ वैभव गुप्ता, तकनीकी अधिकारी 'सी', उप प्रबंधक प्रतिनिधि ने निदेशक, आईआरडीई की ओर से सम्मान प्राप्त किया।



## विश्वकर्मा पूजा उत्सव

### डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 17 सितंबर 2024 को विश्वकर्मा पूजा की। इस दिन लोग भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं, जिन्हें दुनिया के मुख्य वास्तुकार या दिव्य वास्तुकार के रूप में भी जाना जाता है। भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद पाने के लिए कारखानों, उद्योगों, और दुकानों में यह त्यौहार मनाया जाता है। इस अवसर पर डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव, ने पूजा की। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूजा में भाग लिया तथा पूजा के बाद प्रसाद वितरित किया गया।



### आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, ने 17 सितंबर 2024 को पूरी श्रद्धा के साथ विश्वकर्मा पूजा की। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ने पूरे

उत्साह के साथ विश्वकर्मा पूजा की। इस अवसर पर डॉ अजय कुमार ने भगवान विश्वकर्मा का स्मरण किया और सफल भविष्य के लिए उनके आशीर्वाद की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद वितरित किया गया। सभी आईआरडीई कर्मचारियों ने पूजन में भाग लिया।



## स्वच्छता ही सेवा अभियान

### डीएलआरएल, हैदराबाद

14 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 तक रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, में स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया गया जिसका विषय था 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'। यह 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के साथ मनाया गया। समारोह के एक हिस्से के रूप में, डीएलआरएल ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता की शपथ लेना भी शामिल था। स्वच्छता साइक्लोथन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 40 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य आम जनता को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताना था। वॉल पेंटिंग और सौंदर्यीकरण गतिविधियों के अलावा, रक्षा प्रयोगशाला स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रयोगशाला ने

सफाई कर्मचारियों के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच का भी आयोजन किया और आम जनता के लिए स्वच्छता नारों वाली तस्वीर लेने के लिए एक सेल्फी पॉइंट भी स्थापित किया।



### डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 17 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया। इस संदर्भ में, डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक,

डीएमएसआरडीई, के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें स्वच्छता शपथ; स्वच्छता साइक्लोथन मेगा रैली; डीएमएसआरडीई की चारदीवारी की पेंटिंग एवं सौंदर्यीकरण; डीएमएसआरडीई द्वार पर सेल्फी पॉइंट की स्थापना; नारा लेखन/कविता/निबंध/पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता; तथा कानपुर कैंट के कैंटोनमेंट बोर्ड सिल्वर ओक स्कूल में स्वच्छता की पाठशाला शामिल रही।

इस कार्यक्रम में सभी सफाई कर्मचारियों की निवारक स्वास्थ्य जांच और सभी सफाई कर्मचारियों को पीपीई किट एवं सुरक्षा गियर का वितरण भी शामिल है। कार्यक्रम का समन्वयन श्री शिलेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा डॉ सुनील कुमार, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा किया गया।



### एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

14 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 के दौरान सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र सेंटर (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया गया जिसका विषय था 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'। एमटीआरडीसी ने अभियान के एक हिस्से के रूप में विभिन्न गतिविधियों को लागू किया। वृक्षारोपण अभियान को 'एक पेड़ माँ के नाम' टैगलाइन के तहत बढ़ावा दिया गया। एमटीआरडीसी के सभी कर्मचारियों के लिए एक बुनियादी स्वास्थ्य जांच आयोजित की गई, और नमूना संग्रह एवं ईसीजी जैसे नैदानिक परीक्षण किए गए। चिकित्सा रिपोर्ट के साथ एक डॉक्टर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया, तथा एमटीआरडीसी परिवार के दो युवा डॉक्टर, डॉ अर्घदीप तथा डॉ रितिका अग्रवाल, परामर्श कार्यक्रम के लिए उपस्थित रहे।

डॉ एसके दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गई, और एमटीआरडीसी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।



### एनएमआरएल, अंबरनाथ

17 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 के दौरान नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, में स्वच्छता ही सेवा अभियान आयोजित किया गया। एनएमआरएल ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें स्वच्छता और श्रमदान का महीना केंद्र का विषय रहा।

श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने स्वच्छता ही सेवा पर एनएमआरएल कर्मचारियों के साथ शपथ ली, और एनएमआरएल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने एनएमआरएल परिसर में वृक्षारोपण किया। जनता को स्वच्छता का पालन करने को प्रोत्साहित करने के लिए एनएमआरएल के मुख्य द्वार के बाहर एक सेल्फी पॉइंट भी स्थापित किया। 'श्रमदान' के एक हिस्से के रूप में, एनएमआरएल टीम ने एनएमआरएल के तकनीकी आई-ब्लॉक के क्षेत्रों से जंगली घास को साफ किया। एनएमआरएल टीम ने स्वच्छता मित्रों और उनके परिवारों के लिए एक निःशुल्क निवारक स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की, और आस-पास के पंद्रह स्कूलों के बच्चों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें 300 छात्रों ने भाग लिया। प्रयोगशाला ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 30 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 के दौरान डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छता प्रदर्शनी 2024 में भी भाग लिया।



### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

17 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 के दौरान नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, में स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया गया। डॉ अब्राहम वर्गीस उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल तथा डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'एच' एवं अध्यक्ष, कार्य समिति ने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से, चल रही स्वच्छता गतिविधियों में स्वेच्छा से भाग लेने का आग्रह किया। एनएसटीएल ने स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया, जिसके बाद तकनीकी क्षेत्र में सभी भवनों में पौधारोपण अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य और स्वच्छता को एक साथ बढ़ावा देने के लिए, एनएसटीएल ने स्वच्छता रन का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और लगभग एक किलोमीटर के दायरे में आसपास की सफाई की।

सफाई कर्मचारियों और उनके परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए, एनएसटीएल ने स्वच्छता शिविर और निवारक स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया। सफाई कर्मचारियों को पीपीई किट दिए गए और उन्हें व्यावसायिक खतरों से खुद को बचाने के तरीके के बारे में विस्तृत निर्देश दिए गए। एनएसटीएल के निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस ने एनएसटीएल समुदाय द्वारा स्वच्छता के इस आह्वान पर मिले जबरदस्त समर्थन की सराहना की।





## डीजीआई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआई), चंडीगढ़, ने 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के तहत 8-10 अक्टूबर 2024 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया, जिसका विषय 'कल्चर ऑफ इंटिग्रिटी फॉर नेशंस प्रोस्पेरिटी' था। डीजीआई अधिकारियों के लिए 'नैतिकता और शासन, केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीएस) नियम, 1964, तथा डीआरडीओ में खरीद प्रक्रिया, जिसमें जीईएम, साइबर स्वच्छता, और सुरक्षा शामिल है' पर इन-हाउस विस्तृत संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए।



## आईआरडीई में डेसीडॉक सेवाओं के बारे में उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 27 सितंबर 2024 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, में 'इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग और उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी पत्र लेखन' विषय पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई, ने डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक का स्वागत किया। अपने उद्घाटन संबोधन में, निदेशक, आईआरडीई ने कार्यक्रम के उद्देश्य का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने डीआरडीओ के वैज्ञानिक समुदाय को सूचना सेवाएं प्रदान करने में डेसीडॉक के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने अनुरोध किया कि

आईआरडीई के सभी वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारी डेसीडॉक द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का उपयोग करें।

डॉ राव ने 'डीआरडीओ कंसोर्टियम के तहत सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधन, डीआरडीओ ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म, जेन्स डेटाबेस और डीआरडीओ डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर' पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने डीआरडीओ इंटरनेट पर उपलब्ध डीआरडीओ डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का लाइव प्रदर्शन भी किया। श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक 'एफ', डेसीडॉक ने 'उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी पत्र, डीआरडीओ जर्नल, डीआरडीओ मोनोग्राफ,

और स्कोपस डेटाबेस का प्रदर्शन' विषय पर व्याख्यान दिया। श्री जेपी सिंह, वैज्ञानिक 'जी' एवं ज्ञान केंद्र, आईआरडीई के समूह निदेशक ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। श्री आशीष कुमार भूरिया, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई ने कार्यक्रम का समन्वय किया।



## आईडीएसटी द्वारा डीएलआरएल, हैदराबाद, में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर मॉडलिंग और सिमुलेशन पर संगोष्ठी

रक्षा वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीएसटी), हैदराबाद, ने 26 सितंबर 2024 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, में 'इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर मॉडलिंग और सिमुलेशन' पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। इस अवसर पर डॉ एम चक्रवर्ती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, डीएलआरएल, मुख्य अतिथि रहे। श्री अतुल बार्कर, प्रमुख, एन्सिस एयरोस्पेस एंड डिफेंस ने 'इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर: भविष्य और उन्नति' पर बात की। इसके बाद रक्षा उद्योगों के वक्ताओं ने प्रस्तुतियाँ दीं और विभिन्न विषयों पर बात की, जिसमें एंटीना परफॉरमेंस प्रेडिक्शन, रडार प्रिडिक्शन (रेंज), डॉपलर ट्रांसमीटर फिल्टर डिजाइन, और केबल हार्नेस विषय शामिल थे। वक्ताओं ने विमानों पर बिजली गिरने, एन्सिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं

मशीन लर्निंग के कार्यान्वयन, तथा STK-मॉडलिंग और उनके परिचालन वातावरण में जटिल प्रणालियों के अनुकरण जैसे विषयों पर चर्चा की। डीएलआरएल, डीआरडीएल, आरसीआई, एएसएल, डीएमआरएल,

चेस, और डीएसपी के 85 वैज्ञानिकों ने संगोष्ठी में भाग लिया और व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्रों से लाभ उठाया। संगोष्ठी का समापन सचिव, आईडीएसटी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।



## आईआरडीई द्वारा टारगेट ट्रैकिंग के लिए फाउंडेशन ऑफ कालमन फिल्टरिंग पर पाठ्यक्रम

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, ने 2-6 सितंबर 2024 के दौरान 'फाउंडेशन ऑफ कालमन फिल्टरिंग फॉर टारगेट ट्रैकिंग' विषय पर पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। आईआईटी कानपुर के प्रो0 नरेन नाइक और उनकी टीम ने पाठ्यक्रम का संचालन किया। आईआरडीई के तेरह वैज्ञानिकों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।





पाठ्यक्रम में कालमन फिल्टरिंग के गणितीय आधार और कालमन फिल्टर की ट्यूनिंग को शामिल किया गया। पाठ्यक्रम में कण फिल्टरिंग और डीप लर्निंग-आधारित कालमन फिल्टर जैसे उन्नत विषयों को भी शामिल किया

गया। पाठ्यक्रम में प्रतिनिधि व्याख्यानों के माध्यम से प्रथम सिद्धांतों से कालमन फिल्टर एल्गोरिदम को लागू करने के लिए व्यावहारिक सत्र भी शामिल थे। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई, ने प्रो०

नाइक को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने आईआरडीई में इस तरह के सूचनात्मक पाठ्यक्रम के संचालन के लिए प्रो० नाइक को धन्यवाद भी दिया। डॉ जी उन्नीकृष्णन, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई, पाठ्यक्रम समन्वयक थे।

## डीआरडीओ तथा आईएनएई ने हैदराबाद में 11वें इंजीनियर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया

26 सितंबर 2024 को हैदराबाद में डीआरडीओ और भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनएई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 11वें इंजीनियर्स कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई।

दो दिवसीय इस वार्षिक कॉन्क्लेव का उद्देश्य दो रणनीतिक प्राथमिकताओं, अर्थात् 'रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एडिटिव मैनुफैक्चरिंग' और 'रक्षा विनिर्माण प्रौद्योगिकी' पर विचार-विमर्श करना था।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, में आयोजित इस कार्यक्रम में इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, और उद्योग जगत के नेताओं ने स्वदेशी रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों और उनमें प्रगति पर चर्चा की।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ अनिल काकोडकर, पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग, तथा



विशिष्ट अतिथि डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने किया। श्री जीए श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, डीआरडीएल,

हैदराबाद; श्री यू राजा बाबू, महानिदेशक (एमएसएस); तथा प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, अध्यक्ष, आईएनएई ने भी सभा को संबोधित किया।

## एनएसटीएल में ध्वनिकी पर 51वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 27-28 सितंबर 2024 के दौरान ध्वनिकी पर 51वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। अपने संबोधन में, डॉ वाई श्रीनिवास राव, महानिदेशक (एनएसएंडएम) ने इस बात पर जोर

दिया कि आज के समय के सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों में से एक है हमारे तट को शत्रुओं के हमलों से बचाना और इसी चुनौती का समाधान ध्वनिकी से जुड़ी प्रयोगशालाओं को करना है। डॉ मनु कोरुल्ला, सम्मानित अतिथि, महानिदेशक (आरएंडएम) ने

हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ध्वनि प्रदूषण के खतरे को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, ने श्रोताओं को ध्वनिकी के क्षेत्र में एनएसटीएल के अनुसंधान के लंबे



इतिहास के बारे में जानकारी दी। डॉ डी के असवाल, अध्यक्ष, भारतीय ध्वनिकी सोसायटी (एएसआई), ने भारतीय ध्वनिकी सोसायटी की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ध्वनिक अनुसंधान की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए मेटा-धातु, क्वांटम तकनीक, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाया जा सकता है। संगोष्ठी के आयोजक अध्यक्ष श्री पीवीएस गणेश कुमार ने याद दिलाया कि एएसआई की शुरुआत 1971 में विशाखापत्तनम में ही हुई थी और आज इसकी सदस्य संख्या 1000 हो गई है। उन्होंने एएसआई के साथ एनएसटीएल के लंबे जुड़ाव को याद किया।



## आयुध अनुसंधान बोर्ड ने ARMREB@300 कार्यक्रम मनाया

आयुध अनुसंधान बोर्ड (ARMREB) ने 16 अक्टूबर 2024 को मेटकॉफ हाउस, दिल्ली, में ARMREB@300 कार्यक्रम आयोजित करके आयुध प्रौद्योगिकियों में शिक्षा जगत को अपनी 300वीं परियोजना की मंजूरी का जश्न मनाया। पद्मश्री प्रोफेसर संजय गोविंद धांडे, अध्यक्ष, ARMREB ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ARMREB ने देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, और अनुसंधान प्रयोगशालाओं में ज्ञान एवं प्रतिभा का दोहन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बुनियादी अनुसंधान, मॉडलिंग एवं सिमुलेशन, नई ऊर्जावान सामग्री, सेंसर, विस्फोट तरंग, दहन अध्ययन और आयुध प्रणालियों के सुरक्षा परीक्षण एवं मूल्यांकन के क्षेत्र में समझ बढ़ाने के लिए इसके छह शोध पैनलों के माध्यम से कुल 300 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

श्री आशीष जौहरी, सदस्य सचिव, ARMREB, ने बताया कि शिक्षाविद तथा डीआरडीओ डोमेन वैज्ञानिक प्रायोजित अनुसंधान की रीढ़ हैं और उन्होंने आयुध अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। प्रो० आईए पलानी (आईआईटी इंदौर), प्रो० प्रसन्ना गांधी (आईआईटी बॉम्बे), प्रो० कीर्तिभूषण मिश्रा (आईआईटी रुड़की), प्रो० शैबाल बनर्जी (डीआईएटी, पुणे), प्रो० विजय हिवारकर (डीआईएटी, पुणे), और प्रो० राजीव मेहता (थापर इंस्टीट्यूट, पटियाला) ने सेंसर, मेकाट्रॉनिक्स,

एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, उच्च ऊर्जा, और प्रभाव अवशोषित सामग्री के क्षेत्र में नवीन प्रौद्योगिकियों पर अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

प्रो० धांडे, प्रो० प्रतीक किशोर, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), डॉ सुब्रत रक्षित, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम), डॉ नरेंद्र कुमार आर्य, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईआर एंड आईपीआर, और श्री जौहरी ने चयनित शिक्षाविदों और डीआरडीओ वैज्ञानिकों को सम्मानित किया।



## मानव संसाधन समन्वयक सम्मेलन 2024

26-27 सितंबर 2024 को डीजीआरई, मनाली में रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, के सहयोग से मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) द्वारा मानव संसाधन समन्वयक सम्मेलन 2024 का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय था 'मानव संसाधन रणनीतियों को बदलना: बदलाव का नेतृत्व और उसका प्रबंधन'। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती यू जेया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर), द्वारा किया गया।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों ने

संगठनात्मक सफलता, मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों, और सर्वोत्तम संचालन के लिए महत्वपूर्ण मानव संसाधन भूमिकाओं पर गहन विचार-विमर्श में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डीजीआरई ने सम्मेलन के दौरान एक क्षेत्र निरीक्षण का भी आयोजन

किया तथा विभिन्न अनुसंधान एवं विकास पहलों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। सम्मेलन का समापन डीआरडीओ में मानव संसाधन को और अधिक प्रभावी बनाने की नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।



## आरक्षण मामलों पर कार्यशाला

1-2 अगस्त 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय, डीओपी द्वारा आरएंडडी(ई), पुणे, में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों (संपर्क अधिकारियों/वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों/प्रशासनिक अधिकारियों) से बातचीत करने के लिए आरक्षण मामलों, अनुशासनात्मक कार्यवाही का संचालन और ई-सीओपी के ऑनलाइन मासिक रिटर्न मॉड्यूल पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफेसर प्रतीक किशोर, महानिदेशक (एसीई), ने किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरक्षण मामलों की जानकारी के अभाव में योग्य उम्मीदवारों/कर्मचारियों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। श्री एसके द्विवेदी, निदेशक, डीओपी, ने निमंत्रण स्वीकार करने के लिए निदेशक आरएंडडी(ई), पुणे और प्रोफेसर किशोर के प्रति आभार व्यक्त किया।



डीआरडीओ मुख्यालय के संयुक्त निदेशक श्री संदीप सिंह ने आरक्षण रोस्टर की तैयारी/रखरखाव तथा अनुशासनात्मक मामलों से निपटने पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने सिद्धांत और व्यवहार अभ्यास तथा इन विषयों से झूझने वाले अधिकारियों द्वारा की जाने वाली सामान्य गलतियों पर चर्चा की। श्रीमती साधना पाठक, तकनीकी अधिकारी 'बी', डीआरडीओ मुख्यालय ने ई-कॉप का अवलोकन और उसके लाभों पर प्रकाश डाला और ई-कॉप के समय पर अद्यतन की आवश्यकता पर

जोर दिया।

श्री नरेश विरदी, अवर निदेशक, पर्स-एसआरसी एवं डीआरटीसी, ने माननीय एनसीएससी/एनसीएसटी से प्राप्त अभ्यावेदनों से निपटने तथा एससी/एसटी के लिए नियुक्त संपर्क अधिकारियों के कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों पर व्याख्यान दिया। डॉ एसई तलोले, कार्यवाहक निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स), ने सभी संदेहों को दूर करने के उद्देश्य से स्वस्थ चर्चा करने के लिए संकाय और प्रतिभागियों की सराहना की।



## डीआरडीओ मयूरपंख ईआरपी पर पाठ्यक्रम

आर एंड डीई (ई), पुणे, ने 20-23 अगस्त 2024 के दौरान 'डीआरडीओ मयूरपंख ईआरपी' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। डॉ तालोले संजय एकनाथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, आर एंड डीई (ई) ने, श्री एमएम कुबेर वैज्ञानिक 'जी', श्री एनके चौधरी वैज्ञानिक 'जी', श्रीमती गुरप्रीत कौर वैज्ञानिक 'एफ', और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा प्रतिभागियों की उपस्थिति में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ संजय कुमार द्विवेदी, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक डीओपी ने वार्ता के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया और मयूरपंख ईआरपी के ऑनलाइन प्रसंस्करण ज्ञान को प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और स्वचालन के महत्व पर जोर दिया। पाठ्यक्रम में आरएंडडीई (ई) मयूरपंख सॉफ्टवेयर विकास टीम के संकाय शामिल थे।

डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 100 प्रतिभागियों ने हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन और ऑनलाइन) में पाठ्यक्रम में भाग लिया। मयूरपंख ईआरपी कॉन्फिगरेशन और वर्कफ्लो प्रबंधन की विशेषताओं के साथ दिन-प्रतिदिन के कार्यालय प्रशासन की जरूरतों को पूरा करने वाले मॉड्यूल प्रदान करता है। इन

मॉड्यूलों को विभिन्न मानव संसाधन-संबंधित गतिविधियों, संसाधन प्रबंधन और सूचना प्रसारण के प्रबंधन के लिए व्यापक रूप से विभाजित किया जा सकता है। प्रशासक और संबद्ध कैंडर मुख्य रूप से इन सभी प्रणालियों का उपयोग करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान, मयूरपंख ईआरपी के विभिन्न मॉड्यूल पर चर्चा की गई।



## भूखलन के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग उपायों पर पाठ्यक्रम

रक्षा भू-सूचना अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़, ने 23-27 सितंबर 2024 के दौरान 'सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग उपायों के लिए भूखलन' विषय पर पांच दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। सीईपी का उद्देश्य भूखलन के शमन के लिए नवीनतम सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों के साथ-साथ इंजीनियरिंग उपायों के बारे में ज्ञान प्रदान करना था। डॉ के एस राव, एमेरिटस प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, ने 'हिमालय के विभिन्न क्षेत्रों में भूखलन की स्थिरता और निगरानी पहलू' विषय

पर उद्घाटन संबोधन दिया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), आईआईटी रुड़की, आईआईटी मंडी, सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की, पंजाब विश्वविद्यालय, और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के

साथ-साथ मैकाफेरी एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और सिन्सपेक्टिव जैसे उद्योग भागीदारों और डीजीआरई के डोमेन विशेषज्ञों ने पर्वतीय भू-खतरों से संबंधित विभिन्न विषयों पर गहन व्याख्यान प्रस्तुत किए।



## डीजीआरई एमएमसी सासोमा द्वारा सियाचिन बैटल स्कूल में हिमस्खलन जागरूकता और हिमपात संबंधी प्रशिक्षण

भारतीय हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्र सियाचिन में बर्फीले हिमस्खलन की संभावना रहती है। ये हिमस्खलन सैनिकों की गतिशीलता और विभिन्न सैन्य गतिविधियों को गंभीर रूप से प्रतिबंधित करते हैं। सियाचिन बैटल स्कूल (एसबीएस) में अपनी तैनाती से पहले, डीजीआरई ने सियाचिन क्षेत्र में परिचालन कर्तव्यों और प्रतिबद्धताओं पर सुरक्षित गतिशीलता के लिए उनकी तत्परता बढ़ाने के लिए विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों, जेसीओ, और ओआर के लिए हिम-मौसम संबंधी डेटा अवलोकन और हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया। कैप्टन सुमित ओझा ने अपनी टीम के साथ पाठ्यक्रम

का संचालन किया। सैनिकों को बर्फ और मौसम संबंधी डेटा एकत्र करने, हिमस्खलन सुरक्षा, बचाव प्रक्रियाओं और बर्फ से घिरे क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर तकनीकी जानकारी मिली।

यह प्रशिक्षण उन्हें इन क्षेत्रों में अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करने में मदद करेगा और सियाचिन के बर्फीले क्षेत्र में वर्तमान कार्य के लिए सैनिकों की तैयारी को बढ़ाएगा।



## डीएलआरएल में एम्बेडेड सिस्टम में एआई/एमएल पर पाठ्यक्रम

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 18-20 सितंबर, 2024 के दौरान एम्बेडेड सिस्टम में एआई/एमएल पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम की योजना एम्बेडेड सिस्टम में एआई/एमएल पहलुओं को शामिल करने के लिए बनाई गई थी, जिन्हें एक बड़ी प्रणाली में एज उपकरण/सेंसर के रूप में तैनात किया जाता है।

पाठ्यक्रम की योजना 12 सत्रों के साथ बनाई गई थी। 2 सत्रों के लिए संकाय प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से थे, 2 सहयोगी प्रयोगशालाओं से, 2 उद्योग से, और बाकी डीएलआरएल के विभिन्न समूहों से थे जो सक्रिय रूप से एआई/एमएल पर काम कर रहे हैं।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री एन श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीएलआरएल द्वारा डॉ एम चक्रवर्ती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह-निदेशक; श्रीमती सोमा वशिष्ठ, वैज्ञानिक 'जी' एवं पी एंड सी निदेशालय एचआरडी; श्री तपस कुमार हाजरा, वैज्ञानिक 'जी' अवर निदेशक, नौसेना परियोजना निदेशालय; श्री

जेआरसी सरमा, प्रमुख एचआरडीसी; और श्री के राधाकृष्ण, वैज्ञानिक 'एफ' (पाठ्यक्रम निदेशक) की उपस्थिति में किया गया।

त्रि-सेवाओं; डीआरडीओ; बीईएल; डीएलआरएल; और अन्य रक्षा संगठनों की विभिन्न सहयोगी प्रयोगशालाओं से कुल 61 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।





## सब-टेराहर्ट्ज प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 18-20 सितंबर 2024 के दौरान 'सब-टेराहर्ट्ज प्रौद्योगिकी' विषय पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सब-टेराहर्ट्ज उपकरणों की अवधारणा, उनके अनुप्रयोग, मापन तकनीक, और कार्यान्वयन पद्धतियों की समझ विकसित करना था। एमटीआरडीसी, अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्टार-सी, और आर्मी एडी से लगभग 50 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम में 10 सत्र शामिल थे, जिसमें टेराहर्ट्ज तकनीक, सब-टेराहर्ट्ज आवृत्तियों में अनुसंधान सीमा: डिवाइस-टू-एप्लिकेशन

कन्सिडरेशन, डब्ल्यू-बैंड सॉलिड-स्टेट सोर्सिंग, सब-टेराहर्ट्ज उपकरणों का डिजाइन दृष्टिकोण और THz VEDs के लिए प्लानर SWSs आदि पर व्याख्यान शामिल थे।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ ललित कुमार, पूर्व निदेशक,

एमटीआरडीसी तथा श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एमटीआरडीसी तथा एलआरडीई, ने किया। डॉ अनुराग श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री नानी मेडिचेरला, वैज्ञानिक 'एफ' क्रमशः पाठ्यक्रम निदेशक और सहयोगी पाठ्यक्रम निदेशक थे।



## डेसीडॉक में डिजिटल फोटोग्राफी के नवीनतम उपकरणों और तकनीकों पर पाठ्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 14-16 अक्टूबर 2024 के दौरान 'डिजिटल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के नवीनतम उपकरण एवं तकनीक' विषय पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की नवीनतम तकनीकों तथा डीआरडीओ में इसके कार्यान्वयन एवं क्रियाकलापों से अवगत कराना था। पाठ्यक्रम के संकायों में उद्योग जगत के उच्च स्तर की विशेषज्ञता वाले प्रसिद्ध फ्रीलांसर फोटोग्राफर शामिल रहे। प्रतिभागियों को प्रोडक्ट, पोर्ट्रेट एवं स्टूडियो फोटोग्राफी; कैमरा तकनीक की मूल बातें; इमेज रिट्रीवल उपकरण; एआई उपकरण; आदि के बारे में जानकारी दी गई। डॉ मोहम्मद यूसुफ



अंसारी, वैज्ञानिक 'जी' एवं पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और डीआरडीओ में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। श्री तपेश सिन्हा,

वैज्ञानिक 'एफ' एवं उप पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से 35 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## डीआरएल द्वारा लोह निष्कासन इकाई पर प्रशिक्षण

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, द्वारा 13, 20 और 27 सितंबर को क्रमशः मुख्यालय 71 इन्फेन्ट्री विभाग, मिसामारी, असम; मुख्यालय 5 माउंटेन विभाग, टेंगा, अरुणाचल प्रदेश; और मुख्यालय 21 माउंटेन विभाग, उमरोई, मेघालय; में आयरन रिमूवल यूनिट (आईआरयू) पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। सत्रों का उद्देश्य भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के दूरस्थ और अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सेना के जवानों को पीने के पानी के प्रभावी प्रबंधन की क्षमता के साथ संवेदनशील बनाना और सशक्त बनाना था। पानी

में लोहे का संदूषण विभिन्न समस्याएं पैदा कर सकता है, जैसे कि रंग मलिनकरण, मैलापन, वितरण प्रणालियों में जमाव, और स्वाद अप्रिय लगना। प्रशिक्षण सत्रों में आईआरयू के SOP पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें

स्थापना, संचालन, और रखरखाव के साथ-साथ डीआरडीओ जल परीक्षण किट का व्यावहारिक प्रदर्शन भी शामिल था। प्रशिक्षण सत्र में 48 विभिन्न सैन्य इकाइयों के 200 से अधिक सैन्यकर्मियों ने भाग लिया।



## लैंगिक संवेदनशीलता पर कार्यशाला

### डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे), द्वारा 10 सितंबर 2024 को लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर लैंगिक समानता और समावेशिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। डॉ सुनीता कुंभट (पूर्व प्रोफेसर जेएनयूवी, जोधपुर) तथा मिस अक्षिति सिंघवी (एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय) ने यौन उत्पीड़न की रोकथाम, लैंगिक पूर्वाग्रहों को समझने, सभी कर्मचारियों के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने, और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (POSH) सहित लैंगिक समानता के लिए मौजूद कानूनी ढांचे पर जानकारी दी।



कार्यक्रम का समापन डॉ अनुराधा बेरा, वैज्ञानिक 'एफ' और आईसीसी की अध्यक्ष द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

### डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, में 11 सितंबर 2024 को लैंगिक संवेदनशीलता पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्रीमती शुभी गुप्ता, अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कानपुर, ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आईआईटी कानपुर के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ अनिदिता चक्रवर्ती, सम्मानित अतिथि तथा केवीएम कॉलेज, कानपुर की पूर्व प्राचार्या प्रोफेसर मृदुला शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक,

डीएमएसआरडीई ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया तथा पूरे डीआरडीओ में लैंगिक समानता की स्थिति पर प्रकाश डाला। डॉ कविता अग्रवाल, वैज्ञानिक 'एफ' एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रमुख ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'जी' डीएमएसआरडीई एवं आईसीसी की पीठासीन अधिकारी ने किया।



### डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), डीआरडीओ मुख्यालय दिल्ली, ने 10 सितंबर 2024 को लैंगिक संवेदनशीलता पर एक कार्यशाला आयोजित की। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष,



डीआरडीओ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। सुश्री रूपिका चौधरी, वैज्ञानिक 'जी' एवं आईसीसी की अध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और लिंग संवेदनशीलता के महत्व पर जोर दिया। डॉ महबूबा बेगम, वैज्ञानिक 'एफ' एवं सदस्य आईसीसी ने कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली से अतिथि वक्ता डॉ नीतू जैन का स्वागत किया। कार्यशाला का उद्देश्य था कि लैंगिक संवेदनशीलता के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके और समानता, समावेशिता, और विविधता के मूल्यों को विकसित करने में सुविधा हो, जो एक स्वस्थ समाज के साथ-साथ एक स्वस्थ कार्यस्थल के निर्माण के लिए आवश्यक हैं।



### डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर, में 13 सितंबर, 2024 को लैंगिक संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ रश्मि रेखा देवी, वैज्ञानिक 'ई' एवं आईसीसी, डीआरएल की अध्यक्ष, ने पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। डॉ देवव्रत कंबोज, निदेशक, डीआरएल, ने अपने संबोधन में लैंगिक संवेदीकरण, लैंगिक समानता, और कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में तीन संवादात्मक व्याख्यान आयोजित किए गए। तेजपुर विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की

संकाय डॉ नमामि शर्मा ने 'अंडरस्टैंडिंग जेंडर: दी डिफरेंस बिटवीन सेक्स एंड जेंडर एंड दी हिस्टोरिकल एवोलुशन ऑफ जेंडर' विषय पर व्याख्यान दिया। सामाजिक और लैंगिक न्याय के लिए काम करने वाली स्वैच्छिक संस्था EAST की सचिव श्रीमती हेमा दास ने सामाजिक न्याय के लिए लिंग संवेदीकरण और लिंग समानता के महत्व को समझाया। एक अन्य व्याख्यान में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तेजपुर, के अधिवक्ता श्री अरमान थापा ने POSH अधिनियम 2013 का संक्षिप्त परिचय दिया।



### ईसा, दिल्ली

पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), ने 18 सितंबर 2024 को लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला 2024 का आयोजन किया। श्रीमती वंदना शर्मा, अध्यक्ष, नारी रक्षा समिति, सिविल लाइंस, एनजीओ की सदस्य, ने कार्यस्थल पर इसके इतिहास, नियम, और महत्व को समझाते हुए एक सूचनात्मक वार्ता दी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से निपटाए गए कुछ उदाहरणों की भी व्याख्या की। प्रयोगशाला के सभी अधिकारी और कर्मचारी, अस्थायी और अनुबंधित कर्मचारियों सहित, इस कार्यक्रम में शामिल हुए।



### एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, में 10 सितंबर 2024 को एक दिवसीय लैंगिक संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्रीमती श्वेता कृष्णप्पा, सरकारी अधिवक्ता, कर्नाटक तथा प्रो० अंजुला गुरटू, आईआईएससी, बेंगलुरु, ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। एडीई की सेवानिवृत्त वैज्ञानिक श्रीमती मालती लिमये, इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ एसके दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी मेहमानों का स्वागत किया और दर्शकों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का पहला व्याख्यान डॉ लता क्रिस्टी, वैज्ञानिक 'जी' ने 'संगठनात्मक व्यवहार और संगठनात्मक उत्कृष्टता' विषय पर दिया। प्रो० गुरटू ने 'कार्यस्थल पर लिंग संवेदनशील होना' विषय पर व्याख्यान दिया। श्रीमती कृष्णप्पा ने 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की प्रासंगिकता और महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ एम सुमति, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्रीमती सुजाता बी, टीओ 'ए' क्रमशः कार्यशाला की समन्वयक और सह समन्वयक थीं।



## डिपास द्वारा पीजीसीएल कर्मचारियों के लिए उच्च ऊँचाई पर कार्यशाला

रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली, ने 19 सितंबर 2024 को जम्मू में पीजीसीएल क्षेत्रीय मुख्यालय में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीएल) के कर्मचारियों को उच्च ऊँचाई पर भेजने के लिए एक अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास; पीजीसीएल के पंग-कैथल एचवीडीसी परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) श्री अमित शर्मा; और डीआरडीओ एवं पीजीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। डीआरडीओ और पीजीसीएल ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, जिसके तहत डीआरडीओ लद्दाख में अपनी 5000 मेगावाट की पंग-कैथल



एचवीडीसी परियोजना (15,760 फीट) के कार्यान्वयन के दौरान पीजीसीएल को उच्च ऊँचाई पर भेजने और बनाए रखने के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ राजीव वार्ष्णेय ने पीजीसीएल कर्मचारियों को प्रवेश चरण के दौरान पर्याप्त सावधानी बरतने की आवश्यकता

पर बल दिया। डिपास ने पीजीसीएल को उच्च ऊँचाई पर जीवन निर्वाह से संबंधित तकनीकें सौंपी। पीजीसीएल द्वारा 5000 मेगावाट की पंग-कैथल HVDC परियोजना लद्दाख में ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय ग्रिड के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

## कैब्स में एयरबोर्न सर्विलांस के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

डीआरडीओ के कार्यबल के साथ अर्जित तकनीकी ज्ञान को साझा करने के लिए 25-27 सितंबर 2024 के दौरान वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), बेंगलुरु, ने 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज फॉर एयरबोर्न सर्विलांस' विषय पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया।

डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरो) तथा कैब्स की निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया, एयर वाइस मार्शल केएन संतोष वीएसएम, कमांडेंट एसडीआई, वायुसेना, सम्मानित अतिथि थे तथा मुख्य संबोधन सुश्री बैकियालक्ष्मी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह-निदेशक,

कैब्स ने दिया।

उद्घाटन संबोधन में, मुख्य अतिथि ने ज्ञान साझा करने और डीआरडीओ उत्पादों पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए एक मंच के

रूप में पाठ्यक्रम के महत्व को साझा किया। सीईपी में बाहरी और आंतरिक प्रयोगशालाओं के कुल 47 अधिकारियों और कुछ भारतीय वायुसेना अधिकारियों ने भी भाग लिया।





## हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

### एडीई, बेंगलुरु

वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु, ने श्री अखिलेश कुमार झा, वैज्ञानिक 'एफ' के मार्गदर्शन में 2-15 सितंबर 2024 के दौरान हिंदी पखवाड़ा 2024 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हिंदी हस्तलेखन, कहानी लेखन, पैराग्राफ और वाक्यांश अनुवाद, हिंदी नोटिंग, हिंदी में तकनीकी लेखन, ड्राइंग/स्केचिंग/पेंटिंग, तस्वीर क्या बोलती है, प्रश्नोत्तरी, और अंताक्षरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

श्री वाई दिलीप, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक ने 27 सितंबर 2024 को समापन समारोह की अध्यक्षता की। निदेशक ने एडीई की गृह पत्रिका नभतरंग के 26वें सामान्य संस्करण का इलेक्ट्रॉनिक रूप से विमोचन किया। एडीई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए मंथन (मन की बात) नामक एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने हिंदी में अपने विचार प्रभावी ढंग से व्यक्त किए।

निदेशक ने 'मंथन' के प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह के रूप में ज्ञान से भरी पुस्तकें भेंट कीं। हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा वर्ष 2023-24 में प्रभाग में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए गए प्रदर्शन के आधार पर प्रशासन प्रभाग को रोलिंग शील्ड प्रदान की गई।



### डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 18 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा 2024 का आयोजन किया।

डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पखवाड़े के दौरान हिंदी में निबंध लेखन, कहानी लेखन, टाइपिंग, वाद-विवाद, वैज्ञानिक प्रस्तुतिकरण, और जीके विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 30 सितंबर 2024 को डीएमएसआरडीई ने कवि सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें 20 कवियों ने भाग लिया और अपनी कविताएं सुनाईं। डॉ किंगसुक मुखोपाध्याय, अपर निदेशक, डीएमएसआरडीई, ने सभी कवियों को स्मृति चिन्ह वितरित किए।

प्रयोगशाला ने 28 अगस्त 2024 को 'कठस्थ सॉफ्टवेयर (अनुवाद) एवं राजभाषा प्रगति आख्या सम्प्रेषण' पर एक हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया। डॉ परितोष मालवीय, सहायक निदेशक (राजभाषा), डीआरडीई, ग्वालियर कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता थे।



### डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

डीआरडीओ मुख्यालय में 17 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिसका उद्घाटन डॉ मनु कोरुल्ला, महानिदेशक (आरएंडएम) ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। डॉ मनु कोरुल्ला ने हिंदी के

महत्व पर जोर दिया, न केवल हमारे राष्ट्र की राजभाषा के रूप में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर निरंतर समृद्ध होती भाषा के रूप में भी।

श्री सुनील शर्मा, निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम, ने भी प्रतिभागियों को एक बहुमूल्य संबोधन दिया, जिसमें उन्हें भारत की राजभाषा नीति के अनुसार अपने आधिकारिक कार्यों में नियमित रूप से हिंदी का प्रयोग करने और अभ्यास करने की सलाह दी। श्रीमती अरुण कमल, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का विस्तृत विवरण दिया और सभी कर्मचारियों को पूरे जोश और उत्साह के साथ सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

श्री चंद्र प्रकाश मीना, वैज्ञानिक 'ई', अपर निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम, ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा मुख्य अतिथि और वहां मौजूद सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।



### एसीईएम, नासिक

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के सहज और सरल प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा नीति के अनुपालन एवं कार्यान्वयन के लिये इस वर्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार एसीईएम, नासिक, में 14 से 27 सितंबर 2024 के दौरान 'हिंदी पखवाड़े' का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न हिंदी प्रोत्साहन कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं जैसे कि हिन्दी निबंध-लेखन, पत्र-लेखन, राजभाषा नीति ज्ञान, अंतरकार्यालय टिप्पणी, कविता-पाठ, अनुवाद प्रतियोगिता, तथा आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया। केंद्र के सभी सहकर्मियों ने प्रतियोगिताओं एवं आयोजनों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत माननीय मुख्य अतिथि डॉ चंद्रिका प्रसाद मिश्र; केंद्र के महाप्रबंधक श्री टी वी जगदीश्वर राव; तथा अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात केंद्र की राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री पी के सोनी,

वैज्ञानिक 'ई' ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। अपने सम्बोधन में महाप्रबंधक महोदय ने स्वभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी सहकर्मियों से अपने कार्यक्षेत्र में हिन्दी के प्रयोग का आह्वान किया।

समापन कार्यक्रम का संचालन श्री राजवीर सिंह तथा सुश्री ईशा शर्मा द्वारा किया गया। समापन समारोह के उपरांत श्रीमती एवं श्री गोखले समूह द्वारा

संगीत संध्या के रूप में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।



## चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2024

डीआरडीओ मुख्यालय को उसकी गृह पत्रिका 'रक्षा अनुसंधान भारती' के लिए गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2023-24 से सम्मानित किया गया।

निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम,

ने माननीय गृह मंत्री की उपस्थिति में भारत मंडपम, नई दिल्ली, में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित "चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन" के दौरान माननीय गृह राज्य मंत्री से यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर माननीय

गृह मंत्री ने डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'विज्ञान विहान' का विमोचन भी किया और हिंदी में विज्ञान को आसानी से समझने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में 'सरल हिंदी' के उपयोग की पहल की सराहना की।



## राजभाषा कार्यशाला

13 सितंबर, 2024 को संसदीय कार्य, राजभाषा और संगठन एवं पद्धति (डीपीए आरओ एंड एम), डीआरडीओ मुख्यालय, ने डीआरडीओ मुख्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए 'हिंदी में उन्नत उपकरण' के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री सुनील शर्मा, वैज्ञानिक



'एच' एवं निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और कार्यशाला में शामिल

किए जाने वाले विषयों और उनके उपयोगों के संक्षिप्त अवलोकन के साथ मुख्य संबोधन दिया। विभिन्न



संस्थानों से आए विशिष्ट अतिथियों / विशेषज्ञों, अर्थात् सी-डैक के संयुक्त निदेशक श्री शशिपाल, आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री राजीव रावत, उप निदेशक राजभाषा (सेवानिवृत्त) श्री अजय मलिक और ईएसआईसी के उप निदेशक (राजभाषा) श्री राजेश शर्मा ने वार्ता की। कार्यक्रम का समापन श्री चंद्र प्रकाश मीना, वैज्ञानिक 'ई' एवं अपर निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

## जीटीआरई, बेंगलुरु, में संयुक्त राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी

(एयरो-क्लस्टर)

गैस टरबाईन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), बेंगलुरु, ने एयरो-क्लस्टर के लिए एक दिवसीय राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन 28 अगस्त 2024 को श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीपीएआरओएंडएम द्वारा किया गया। श्री एम जेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरो), मुख्य अतिथि थे, तथा डॉ एसवी रमन मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, जीटीआरई, श्री सुजीत कुमार सिंह, वैज्ञानिक 'जी' एवं संगोष्ठी आयोजन समिति के अध्यक्ष के साथ संगोष्ठी के संरक्षक थे।

अपने संबोधन में श्री शर्मा ने हिंदी में आसान कार्य के लिए उपलब्ध नवीनतम सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों की प्रशंसा की। उन्होंने कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सभी को इनका उपयोग करने की सलाह दी।



अपने संबोधन में श्री एमजेड सिद्दीकी ने राजभाषा में इस तरह के केंद्रित तकनीकी संगोष्ठी के आयोजन पर गर्व व्यक्त किया, तथा संगोष्ठी की ताकत के रूप में पेपर प्रस्तुतकर्ताओं का हवाला दिया। डॉ. एस.वी. रमन मूर्ति ने अपने संबोधन में इस संगोष्ठी की मेजबानी के लिए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

इस सत्र में 47 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें एयरोस्पेस और उससे संबंधित प्रौद्योगिकी, रक्षा प्रणाली प्रमाणन स्थिति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग, उद्योग, और शिक्षा जगत के साथ डीआरडीओ के अनुसंधान सहयोग एवं प्रबंधन सेवाओं सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में एयरो क्लस्टर प्रयोगशालाओं और डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## एलआरडीई, बेंगलुरु

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु, ने 2-20 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया। पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में 400 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह में कर्नाटक सर्कल, बेंगलुरु, के पोस्ट मास्टर जनरल श्री एलके दाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निदेशक, एलआरडीई ने कार्यवाही का नेतृत्व किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यस्थल पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा, चाहे प्रोजेक्ट कार्य करने के लिए हो या दिन-प्रतिदिन के आधिकारिक कामकाज की भाषा, सभी को एक साथ



लाने में मदद करती है, जिसमें हिंदी की प्रमुख भूमिका है। निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि हम सितंबर को न केवल हिंदी माह के रूप में मनाते हैं, बल्कि इसे राजभाषा दिवस के रूप में भी मनाते हैं। उन्होंने सभी से निवेदन किया कि वे हिंदी को संचार के माध्यम के रूप में उपयोग करें और दैनिक कार्यों में इस्तेमाल करें।

## एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), ने 28 अगस्त 2024 से 23 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री त्रिभुवन नारायण सिंह, महाप्रबंधक (कम्पानेन्ट), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु थे। डॉ एम संतरा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं उपाध्यक्ष, ओएलआईसी ने स्वागत संबोधन दिया। डॉ एस के दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, ने भी सभा को संबोधित किया। डॉ मालतेश मैलार, केंद्र के सहायक निदेशक (राजभाषा), द्वारा राजभाषा रिपोर्ट में राजभाषा नीति एवं नियमों के उद्देश्य को दोहराया गया।

मुख्य अतिथि ने हिंदी को राजभाषा के रूप में नामित करने के पीछे के औचित्य और इसके वैज्ञानिक आधार पर चर्चा की। डॉ विशाल केसरी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं केंद्र के राजभाषा संपर्क अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।



## एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 14 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी

दिवस और पखवाड़ा मनाया। इस कार्यक्रम के दौरान हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इस समारोह में एनएमआरएल के 100 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। 8 अक्टूबर 2024 को आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह में मुंबई विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के डीन डॉ अनिल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा सभी को आधिकारिक कार्यों में हिंदी का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया और हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला।



### एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 19 अगस्त 2024 से 4 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। श्री वासुदेवन एस, निदेशक (प्रणाली), एवं कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल, ने समारोह का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद एक हिंदी सरप्राइज टेस्ट भी आयोजित किया।

एनपीओएल के इडुक्की परिसर में अंडरवाटर एकाॅस्टिक रिसर्च फैसिलिटी (यूएआरएफ) के कर्मचारियों के लिए तेरह प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम 26 सितंबर, 2024 को समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। डॉ दुव्वुरी शेषागिरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक

एवं निदेशक, एनपीओएल, ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री के मोहनन, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रबंधन), तथा श्री बीजू गोपाल, वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह निदेशक (पी एंड ए), ने सबको बधाई दी। निदेशक, एनपीओएल ने समापन समारोह के दौरान सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 'एन' हाउस को 'हिंदी पखवाड़ा रोलिंग ट्रॉफी' मिली। श्री राम लोचन अवस्थी, वैज्ञानिक 'ई' एवं हिंदी अधिकारी, ने वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित पखवाड़ा समारोह का अवलोकन प्रस्तुत किया। डॉ निशामोल पीए, वैज्ञानिक 'एफ' समिति की अध्यक्ष थीं।



### एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल, ने सबको शुभकामनाएं दीं और आधिकारिक गतिविधियों में राजभाषा को लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। पंद्रह दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और मंतव्ता—एक तात्कालिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रयोगशाला के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हिंदी में भाषण दिया गया। श्रीमती सबिता सोरेंग, वैज्ञानिक 'एफ' ने समारोह के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी। श्री विवेक शर्मा,

वैज्ञानिक 'एफ' एवं हिंदी अधिकारी ने अपने भाषण में हिंदी पखवाड़ा 2024 के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों और निर्णायकों सहित पूरी आयोजन टीम की सराहना की।



### पीएक्सई, चांदीपुर

पूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, ने 2-26 सितंबर 2024 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हिंदी पखवाड़ा मनाया। समारोह का उद्घाटन डॉ पी के दासगुप्ता, कार्यवाहक निदेशक एवं वैज्ञानिक 'जी', ने किया।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जैसे हिंदी तात्कालिक भाषण, हिंदी कविता पाठ, हिंदी अनुवाद, हिंदी टिप्पण/प्रारूपण, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी कविता लेखन, हिंदी श्रुतलेख, आदि।

कर्मचारियों के लिए इस बार विषय आधारित हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिता शुरू की गई है। वर्ष 2023-24 के लिए हिंदी में अपना आधिकारिक कार्य अधिक करने वाले वर्गों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय 'राजभाषा शील्ड' प्रदान की गई।

श्री सुबोध कुमार नायक, निदेशक, पीएक्सई, ने 26 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस समारोह की अध्यक्षता की। विजयी प्रतियोगियों को डॉ एचएस पांडा, वैज्ञानिक 'जी' एवं सह-निदेशक की उपस्थिति में श्री नायक द्वारा पुरस्कृत किया गया।





## नियुक्ति



डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' ने जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी), जिसे पहले रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर, के नाम से जाना जाता था, के केंद्र प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला, यह 25 सितंबर 2024 से प्रभावी होगा।

डॉ कुमार ने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय से एमएससी और कोयंबटूर के भारथियार विश्वविद्यालय से खाद्य विज्ञान में पीएचडी की है। वे वर्तमान में प्रस्तावित 'गगनयान मिशन' के लिए मैसूर के डीआईबीटी में अंतरिक्ष खाद्य एवं रसद कार्यक्रम के परियोजना निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जो इसरो और डीआरडीओ के बीच एक सहयोगी पहल है। उन्हें लडाकू राशन प्रौद्योगिकी, खाद्य पैकेजिंग, और थर्मल/गैर-थर्मल प्रसंस्करण में 28 वर्षों से अधिक का अनुसंधान एवं विकास अनुभव है। उनके योगदानों में सेना और नौसेना के लिए मील्स रेडी टू ईट (MRE) राशन का विकास, बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग समाधान, और निर्जलित सब्जियों के लिए बहुपरत पैकेजिंग शामिल हैं। डॉ कुमार ने बड़े पैमाने पर उत्पादन और नारियल के रस (नीरा) के प्रसंस्करण के लिए एक स्वचालित टैंडर नारियल पानी प्रसंस्करण प्रणाली के विकास का भी नेतृत्व किया है।

इन भूमिकाओं के अलावा, डॉ कुमार भारतीय सेना और नौसेना के राशन पैमाने को संशोधित करने के लिए जिम्मेदार एक समिति के सदस्य हैं। वह रक्षा खाद्य विश्लेषक परीक्षा के लिए एक परीक्षक के रूप में भी कार्य

करते हैं, जिसे डीजीएसटी एससी अधिकारियों को प्रशासित करता है। उनकी सक्रिय भागीदारी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) तथा भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के वैज्ञानिक पैनल के सदस्य के रूप में सेवा करने तक फैली हुई है। वह मैसूर विश्वविद्यालय, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT), जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (JNTU), काकीनाडा, तथा मैंगलोर विश्वविद्यालय में खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए अध्ययन बोर्ड में भी कार्य करते हैं।

डॉ कुमार को अपने सम्पूर्ण करियर में कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें डीआरडीओ साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड (2020), भारत सरकार के रसायन, उर्वरक मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी नवाचार पुरस्कार (2019), डीआरडीओ प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार (2019, 2014, 2011, 2003), खाद्य प्रौद्योगिकी में थॉमस एडिसन पुरस्कार (2014), डॉ वसुंधरा मेमोरियल सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (2007), सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (2007, 2008, और 2009), सर्वश्रेष्ठ समीक्षा पत्र पुरस्कार (2018, 2017, और 2007), सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (2014 और 2007), लालजी गोधू स्मारक निधि पुरस्कार (2007), रेडी-टू-ईट फूड्स के रिटॉर्ट पाउच प्रसंस्करण के लिए डीआरडीओ प्रदर्शन उत्कृष्टता पुरस्कार (2004), डीआरडीओ नकद पुरस्कार (1999), तथा कई अन्य शामिल हैं। उनके पास 16 स्वीकृत पेटेंट हैं, 18 पेटेंट दाखिल किए हैं, और उन्होंने 6 पुस्तक अध्याय लिखे हैं। उनका कार्य अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 80 से अधिक शोध पत्रों में प्रकाशित हुआ है, तथा उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 140 से अधिक प्रस्तुतियाँ दी हैं।

## ईएससीसी, स्पेन में डीआरडीओ

### का प्रतिनिधित्व

26-27 सितंबर, 2024 को बार्सिलोना, स्पेन, में अर्थ साइंस एंड क्लाइमेट चेंज (एडवांस्ड ईएससीसी 2024) में प्रगति पर तीसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) की वैज्ञानिक डॉ दुर्गेश नंदिनी को भारत से 'विशिष्ट वक्ता' के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लिया और 'कम्पोजिशनल इनसाइट इनटू सस्टेनेबल फायर फाइटिंग फोम फॉर स्ट्रेटेजिक एप्लिकेशन्स' शीर्षक पर अपना व्याख्यान दिया। उनके सत्र के दौरान, 'फोरेवर केमिकल्स' और उनके पर्यावरणीय पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। इस कार्यक्रम ने साथियों और उद्योग भागीदारों के साथ नेटवर्किंग को बहुत सुविधाजनक बनाया, हाल की प्रगति पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया, नई और संधारणीय प्रथाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान की, तथा प्रतिभागियों को संधारणीय प्रौद्योगिकियों और उनके अनुप्रयोगों के अनुसंधान एवं विकास में विविध दृष्टिकोणों से अवगत कराया। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, इटली, जापान, पोलैंड, और रूस जैसे देशों के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिक, शोधकर्ता, और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए।



## उत्तर क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता 2024-25

2-4 सितंबर, 2024 को डीएल, जोधपुर, में डीआरडीओ उत्तर क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता 2024-25 आयोजित की गई। आईआरडीई, डील, सीफीस, इनमास, डेसीडॉक, एसएजी, डीआरडीई, एडीआरडीई, एसएसपीएल, टीबीआरएल, आईटीएम, डीआरडीओ मुख्यालय, सेप्टेम, आरएसी, जेसीबी, और डीएलजे सहित अठारह उत्तरी क्षेत्र की प्रयोगशालाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन श्री आर वी हाराप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे, द्वारा किया गया।

टीबीआरएल, चंडीगढ़, ने टीम प्रतियोगिता जीती, जबकि इनमास, दिल्ली, दूसरे स्थान पर रहा। पुरुषों की ओपन सिंगल्स और महिलाओं की ओपन सिंगल्स में विजेता मेजबान टीम



डीएलजे से श्री विश्वजीत, तकनीकी सहायक 'बी' तथा सुश्री अरुणा, वैज्ञानिक 'बी' रहे। अनुभवी एकल और युगल स्पर्धा में डीएलजे के खिलाड़ी श्री सुरेन्द्र अरोड़ा, तकनीकी अधिकारी 'सी' और श्री राजीव सांखला, तकनीकी

अधिकारी 'सी' ने भी जीत हासिल की। उत्तर क्षेत्र की टीम ने राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में डीआरडीओ उत्तर क्षेत्र प्रयोगशालाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए सभी प्रतिभागी टीमों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया।

## एनएमआरएल में सामाजिक गतिविधियाँ

### रक्तदान शिविर

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 1 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस समारोह के अवसर पर एनजीओ तरुण मित्र मंडल, अंबरनाथ, के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने शिविर का उद्घाटन किया तथा एनएमआरएल कर्मचारियों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए शपथ दिलाई। शिविर को एनएमआरएल कर्मचारियों, संविदा कर्मचारियों, डीएससी कर्मियों, और उनके परिवार के सदस्यों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस शिविर में कुल 105 व्यक्तियों ने रक्तदान किया।



### चिकित्सा शिविर

27 सितंबर, 2024 को एनएमआरएल ने अपने सफाई कर्मचारियों और बागवानी कर्मचारियों के बीच रोग का शीघ्र पता लगाने, समय पर उपचार, और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक

एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने शिविर का उद्घाटन किया और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जोर दिया, खास तौर पर सफाई और स्वच्छता जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए। शिविर ने आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करके और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करके उपस्थित लोगों की भलाई में योगदान दिया।





## डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आंगतुक

### कैसडिक, बेंगलुरु

23 सितंबर 2024 को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी, और एस एंड टी विभाग के सचिव ने कैसडिक, बेंगलुरु, का दौरा किया। श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, कैसडिक, ने टीम का स्वागत किया और प्रयोगशालाओं की विभिन्न गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी। दौरा करने वाली टीम द्वारा यह बताया गया कि दौरे का उद्देश्य बातचीत करना और सैन्य प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों एवं सेवाओं के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना है, जहां निजी क्षेत्र भाग ले सकता है, नवाचार कर सकता है, समर्थन कर सकता है, और योगदान दे सकता है। कैसडिक टीम ने विजिटिंग टीम को विभिन्न उद्योगों और शिक्षाविदों के साथ वर्तमान कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी।

कैसडिक में चल रही/प्रस्तावित परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियों के लिए निजी क्षेत्र के साथ संभावित भविष्य की साझेदारी पर चर्चा हुई। इसके अलावा, टीम ने कैसडिक द्वारा विकसित और वर्तमान में आईएएफ के विभिन्न लड़ाकू विमानों पर तैनात प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों, संसर, और पीओडी के स्थैतिक प्रदर्शन का दौरा किया।

### सीफीस, दिल्ली

डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), ने रॉकेट मोटर सिस्टम में एचटीपीबी बाइंडर-आधारित कंपोजिट प्रणोदक के जैवनिम्नीकरण के क्षेत्र में किए गए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए 5 सितंबर 2024 को दिल्ली स्थित अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) का दौरा किया। उनके साथ डॉ डीटी सेल्वम, वैज्ञानिक 'जी' एवं



डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), सीफीस के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करते हुए

निदेशक (पीएम) कार्यालय महानिदेशक (एलएस), भी थे। शालिनी आनंद, वैज्ञानिक 'एफ' ने कीटों के माध्यम से एचटीपीबी बाइंडर-आधारित रॉकेट प्रणोदक के क्षरण और हाल के निष्कर्षों के भविष्य के दायरे पर एक संक्षिप्त जानकारी दी। महानिदेशक (एलएस) ने सीफीस में शुरू किए गए कंपोजिट प्रणोदकों के कीट-आधारित जैव-उपचार की सराहना की और सहयोगात्मक कार्य में जीवन विज्ञान प्रयोगशालाओं की भागीदारी का सुझाव दिया।

### केंटकी, यूएसए, में लुइसविले मैरियट डाउनटाउन में सीफीस अधिकारियों का दौरा

डॉ शालिनी आनंद, वैज्ञानिक 'एफ', ने 6-8 अक्टूबर 2024 को केंटकी, यूएसए, में लुइसविले मैरियट डाउनटाउन में सोसाइटी फॉर फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर्स (SFPE) 2024, वार्षिक सम्मेलन तथा एक्सपो में 'वाटर-बेस्ड फायर-सप्रेसिंग जेल एंड इट्स फील्ड ट्रायल्स फॉर फायर एक्सटीन्गीशर फॉर बुश/फारेस्ट फायर्स' शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

उन्होंने 6 अक्टूबर, 2024 और 9-10 अक्टूबर, 2024 को क्रमशः 'इंट्रोडक्शन टू एथिक्स एंड पीयर रिव्यू फॉर फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर्स

पर एक प्री-कॉन्फ्रेंस सेमिनार और 'स्प्रिंकलर डिजाइन फॉर इंजीनियर्स' पर एक पोस्ट-कॉन्फ्रेंस सेमिनार में भी भाग लिया। उन्होंने 16 पेशेवर विकास घंटे अर्जित किए।



### डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

● श्री पीयूष आनंद, आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफ, ने 23 सितंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने डॉ चंद्रिका कौशिक, महानिदेशक (पीसी और एसआई), तथा कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) की टीम के साथ बातचीत की और उन विशिष्ट तकनीकी क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया, जहां डीआरडीओ, डीआरडीओ-एमएचए सहयोग के तहत एनडीआरएफ की सहायता कर सकता है।

निदेशक, डीएलआईसी, ने एनडीआरएफ द्वारा किए गए आपदा राहत कार्यों के लिए प्रासंगिक डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित उत्पादों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

● श्री मृत्युंजय कुमार, महानिरीक्षक (प्रोविजनिंग), आईटीबीपी, ने डीआईजी (प्रोविजनिंग) और डीआईजी (संचार) के साथ 20 सितंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) गृह मंत्रालय के तहत प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है, जो लद्दाख में कराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश में जाचेप ला तक फैली 3000 किलोमीटर से अधिक लंबी भारत-चीन सीमा की रक्षा करता है। छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद वाले क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों और अभियानों में भी बल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

### डीजीआरई, चंडीगढ़

● श्रीमती उमा जया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर); डॉ शैलेश कुमार सिंह, निदेशक (डीएचआरडी); डॉ संजय के द्विवेदी, निदेशक (डीओपी); श्रीमती के वी प्रभा, निदेशक (आरएसी); सुश्री सुनीता वढेरा, निदेशक (सेप्टम); तथा श्री सत्य प्रकाश डोभाल, निदेशक (आईटीएम) ने 25 सितंबर 2024 को डीजीआरई, आरडीसी, मनाली, का दौरा किया। डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई, ने महानिदेशक (एचआर) एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा डीजीआरई द्वारा पर्वतीय भू-खतरे प्रबंधन एवं डीजीआरई उपयोगकर्ताओं को सहायता सेवाओं की दिशा में की गई विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की जानकारी दी।

● मेजर जनरल एस सोराज, एमजी, एएससी, मुख्यालय उत्तरी कमान, ने 26



श्री पीयूष आनंद, आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफ, अपनी टीम के साथ 23 सितंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय में



श्री मृत्युंजय कुमार, महानिरीक्षक (प्रोविजनिंग), आईटीबीपी, 20 सितंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय में अपने दौरे के दौरान



डीजीआरई, चंडीगढ़, में अपने दौरे के दौरान अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ श्रीमती उमा जया संथी



सितंबर 2024 को डीजीआरई, एमएमसी, सासोमा, का दौरा किया। लेफ्टिनेंट कर्नल सौरभ शर्मा, ओसी, डीजीआरई, एमएमसी, सासोमा, ने उनका स्वागत किया, उन्हें डीजीआरई मॉडल रूम दिखाया, और भू-खतरे को कम करने के लिए भारतीय हिमालय के उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में डीजीआरई के संचालन के तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया। इसके अलावा सैनिकों को शामिल होने से पहले हिमस्खलन जागरूकता और सुरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया।

● 15 अक्टूबर 2024 को श्री संजीव गोयल, आईए एंड एएस, महानिदेशक (ऑडिट), रक्षा सेवाएं, चंडीगढ़, सुश्री इनाबत खलीक, आईए एंड एएस, उप निदेशक (ऑडिट) और ऑडिट टीम के अन्य सदस्यों ने डीजीआरई का दौरा किया। डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई, ने महानिदेशक (ऑडिट) का स्वागत किया और उन्हें चल रही परियोजनाओं, आरएंडडी गतिविधियों, विभिन्न परिचालन गतिविधियों और उपयोगकर्ताओं के लिए डीजीआरई की सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

### डीएल, जोधपुर

● 5 अक्टूबर, 2024 को वाइस एडमिरल ए वाई सरदेसाई, परमाणु सुरक्षा महानिरीक्षक (IGNS) ने रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर, का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, प्रयोगशाला की टीम ने परमाणु सर्विलांस, स्टील्थ काउंटरमेजर्स, और रेगिस्तानी परिचालन सहायता जैसे क्षेत्रों में अपने अत्याधुनिक अनुसंधान प्रस्तुत किए और विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया।

● एयर मार्शल ए के अरोड़ा, एवीएसएम, वीएसएम, डीजी (एयरक्राफ्ट), तथा एयर मार्शल वी के गर्ग, एवीएसएम, वीएसएम, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ,



डीजीआरई, एमएमसी, सासोमा, में मेजर जनरल एस सूरज, एमजी, एससी, मुख्यालय उत्तरी कमान



वाइस एडमिरल ए वाई सरदेसाई, आईजीएनएस, डीएल, जोधपुर में अपने दौरे के दौरान

एमसी, ने भारतीय वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डीएलजे का दौरा किया। श्री आरवी हारा प्रसाद ने प्रयोगशाला का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें नवीन प्रौद्योगिकियों की खोज पर विशेष बल दिया गया। डीएलजे टीम ने विकिरण

सर्विलांस, छद्मावरण, चैफ, और MW ऑब्स्क्यूरेंट चैफ के क्षेत्रों में प्रयोगशाला द्वारा विकसित अत्याधुनिक उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया।

### डीएलआरएल, हैदराबाद

● डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी



डीएल, जोधपुर, में एयर मार्शल ए के अरोड़ा, एवीएसएम, वीएसएम, डीजी (एयरक्राफ्ट), तथा एयर मार्शल वी के गर्ग, एवीएसएम, वीएसएम, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, एमसी, डीएल, जोधपुर में

आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने डीएलआरएल द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं की प्रगति और स्थिति की समीक्षा करने के लिए 27 सितंबर 2024 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद, का दौरा किया। निदेशक, डीएलआरएल, ने 17 परियोजनाओं (7 मिशन मोड, 1 अवसंरचना विकास, और 9 प्रौद्योगिकी प्रदर्शन) की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

डॉ कामत ने बैठक के दौरान उपस्थित संबंधित परियोजना निदेशकों से बातचीत की। निदेशक, डीएलआरएल ने प्रयोगशाला के भविष्य के उत्पाद रोडमैप को प्रस्तुत किया, जिसमें अगले 5 और 10 वर्षों के लिए नियोजित प्रणालियों को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया।

● 21 अधिकारियों की एक टीम ने 24 सितंबर 2024 को MILIT, पुणे, में NEMP कोर्स के हिस्से के रूप में डीआरडीएल का दौरा किया। श्री एमवी रविंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'जी', भूमि EW प्रौद्योगिकी निदेशालय, ने अधिकारियों का स्वागत किया तथा डीएलआरएल की मुख्य विशेषज्ञता, वितरित प्रणालियों, प्रगति में परियोजनाओं, और विभिन्न प्लेटफार्मों के लिए EW प्रणालियों के विकास में शामिल तकनीकी बारीकियों का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने अपनी यात्रा के दौरान श्री ओम प्रकाश राय चौधरी, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्रीमती एनपी सुप्रिया, वैज्ञानिक 'एफ' से भी बातचीत की।

### आईआरडीई, देहरादून

श्री जितेंद्र जे जाधव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बंगलुरु, और उनकी टीम ने 4 सितंबर 2024 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून, का दौरा किया। एयर वाइस



डीआरडीएल, हैदराबाद, में डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडीआरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ

मार्शल अरुण मलिक, वीएसएम और प्रोजेक्ट डायरेक्टर (फ्लाइंग टेस्ट) ने भी अपनी टीम के साथ 4 सितंबर 2024 को आईआरडीई का दौरा किया। डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) तथा डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक आईआरडीई ने आईआरडीई द्वारा की गई प्रमुख आरएंडडी पहलों और

विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने उन उत्पादों के बारे में जानकारी दी जिन्हें विकसित एवं शामिल किया गया है।

### एनएमड्वाएल, अंबरनाथ

● वाइस एडमिरल के श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त), डीजी एटीवीपी ने भविष्य



आईआरडीई, देहरादून, में श्री जितेंद्र जे जाधव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एडीए



की पनडुब्बियों के लिए AIP पर बातचीत के लिए 4 अक्टूबर 2024 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, का दौरा किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने डीजी एटीवीपी का स्वागत किया। वैज्ञानिकों ने AIP के साथ-साथ अन्य परियोजनाओं और आरएंडडी गतिविधियों पर प्रस्तुतियाँ दीं। डीजी एटीवीपी ने AIP के भूमि-आधारित प्रोटोटाइप का दौरा किया। उन्होंने एनएमआरएल द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी के दौरान एनएमआरएल के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।

● डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने AIP कार्यक्रम की समीक्षा के लिए 25 सितंबर 2024 को एनएमआरएल का दौरा किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एनएमआरएल ने विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) का स्वागत किया। उन्होंने डॉ सुमन रॉय चौधरी, वैज्ञानिक 'एच' और कार्यक्रम निदेशक को संबोधित किया, वाइस एडमिरल के श्रीनिवास को ईंधन सेल तकनीक के बारे में समझाया, और एनएमआरएल द्वारा किए गए



डॉ सुमन रॉय चौधरी, वैज्ञानिक 'एच' एवं कार्यक्रम निदेशक, वीएडीएम के श्रीनिवास को ईंधन सेल प्रौद्योगिकी के बारे में बताते हुए

उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डाला, तथा एनएमआरएल कर्मचारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

● श्री आरवी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने AIP कार्यक्रम और अन्य चल रही परियोजनाओं की समीक्षा के लिए 9 अक्टूबर 2024 को एनएमआरएल का दौरा किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने विशिष्ट वैज्ञानिक

एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) का स्वागत किया। वैज्ञानिकों ने AIP और विभिन्न अन्य परियोजनाओं एवं आर एंड डी गतिविधियों पर प्रस्तुतियाँ दीं। अपने संबोधन में, श्री आर वी हारा प्रसाद ने एनएमआरएल के कार्यों की सराहना की तथा कर्मचारियों को रोडमैप के अनुसार परियोजनाओं की समयसीमा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया, साथ ही उच्च मानकों वाले उत्पादों का विकास सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।



25 सितंबर 2024 को एनएमआरएल में अपने दौरे के दौरान डॉ वाई श्रीनिवास राव विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम)



श्री आर वी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) 9 अक्टूबर 2024 को एनएमआरएल में